

INTERESTING
HISTORICAL EVENTS,

Relative to the
PROVINCES OF BENGAL,
AND THE
EMPIRE OF INDOPEAN,
WITH
A Seafonable HINT and PERSUASIVE
To the Honorable
The COURT of DIRECTORS of the
EAST INDIA COMPANY
AND ALSO
The MYTHOLOGY and COSMOGONY, FASTS
and FESTIVALS of the GENTOOES,
Followers of the SHASTAH
AND
A DISSERTATION on the MATOMPTICIONS,
commonly, though erroneously enconst
PYTHAGOREAN Doctrine.

By J. Z. HOLWELL, Esq;

PART III.

L O N D O N.

Printed for T. BECKET and P. A. DE HONDT, near
Surry-Street, in the Strand.

MDCCLXXI.

अपराधशास्त्रीय अंतर्दृष्टि द्वारा डॉ. मृदुल श्रीवास्तव

INTERESTING
HISTORICAL EVENTS,

Relative to the
PROVINCES OF BENGAL,
AND THE
EMPIRE OF INDOPEAN,
WITH
A Seafonable HINT and PERSUASIVE
To the Honorable
The COURT of DIRECTORS of the
EAST INDIA COMPANY
AND ALSO
The MYTHOLOGY and COSMOGONY, FASTS
and FESTIVALS of the GENTOOES,
Followers of the SHASTAH
AND
A DISSERTATION on the MATOMPTICIONS,
commonly, though erroneously enconst
PYTHAGOREAN Doctrine.

By J. Z. HOLWELL, Esq;

PART III.

L O N D O N.

Printed for T. BECKET and P. A. DE HONDT, near
Surry-Street, in the Strand.

MDCCLXXI.

"प्राचीन भारत और मूल मूल सत्य की खोज"

1771 में जे.जेड. होलवेल का एक क्रांतिकारी शोध:
कैसे हिंदू धर्मग्रंथों में मानवता के सबसे प्राचीन और
शुद्ध रहस्य छिपे हैं।

एक दृश्य ऐतिहासिक विश्लेषण

प्राचीन हिन्दुस्तान के धार्मिक और ऐतिहासिक सिद्धांत

(Religious and Historical Doctrines of Ancient Indostan)

हिन्दुस्तान की प्राचीनता और प्रभाव
(Antiquity and Influence of Indostan)

14 सार्वभौमिक धार्मिक सत्य

लेखक ने 14 ऐसे सत्यों की पहचान की है जो मूल रूप से सभी प्राचीन धर्मों में समान थे।

ईश्वर और आत्मा की अमरता

थाश्वत ईश्वर का अस्तित्व और गानव आत्मा की अमरता इस धर्म के मुख्य स्तंभ हैं।



कर्म, पुरस्कार और दंड

ननुष्य के कार्यों के आधार पर भविष्य में मिलने वाले फल और दंड की एक निश्चित व्यवस्था।

प्रमुख धार्मिक पात्रों और उनके कार्यों का परिचय (Introduction to Key Religious Characters and Their Roles)



ब्रह्मा
(Bramah)

दिव्य विधान देने वाले और मौलिक सत्यों के प्रचारक



विष्णु, बिस्तनू, सीब
(Bramah, Bistnoo, Seeb)

सृष्टि के निर्याण और प्रबंधन के लिए बनाई गई तीन प्रमुख दिव्य शक्तियां



जेंटू
(Gentoos)

हिन्दुस्तान के वे लोग जिन्होंने प्राचीन शुद्ध धर्म को हजारों वर्षों तक अशुण्ण रखा



हिन्दुस्तान
(Indostan)



मिस्र (Egypt)

मिस्र और यूनान से भी प्राचीन: लेखक का मानना है कि हिन्दुस्तान की सभ्यता और ज्ञान मिस्र और यूनान से कहीं अधिक पुराना है।



यूनान (Greece)

ज्ञान का मूल स्रोत: ब्राह्मण: मिस्र के ऋषियों और यूनानी दार्शनिकों ने अपना अधिकांश ज्ञान हिन्दुस्तान के ब्राह्मणों से लिया था।

समय के साथ धर्म का पतन (Decline of Religion Over Time)

जैसे-जैसे धर्म अयने मूल स्रोत (हिन्दुस्तान) से दूर फैला, वैसे-वैसे इसमें अंधविश्वास और मिलावट बढ़ती गई।



ईश्वर का संदेश जलवायु और भूगोल के अनुसार अपना रूप बदलता है



भौगोलिक अनुकूलन

होलवेल का तर्क है कि ईश्वरीय रहस्योद्घाटन एक आकार का नहीं है। ईश्वर विभिन्न महाद्वीपों और समाजों की प्रकृति और कमजोरियों के अनुसार सत्य को प्रकट करता है।

अहंकार का त्याग

यह विचार कि कोई एक विशिष्ट धार्मिक रूप ही एकमात्र सत्य है, इसे होलवेल खारिज करते हैं। वे इसे धार्मिक कट्टरता और अज्ञानता का प्रतीक मानते हैं।

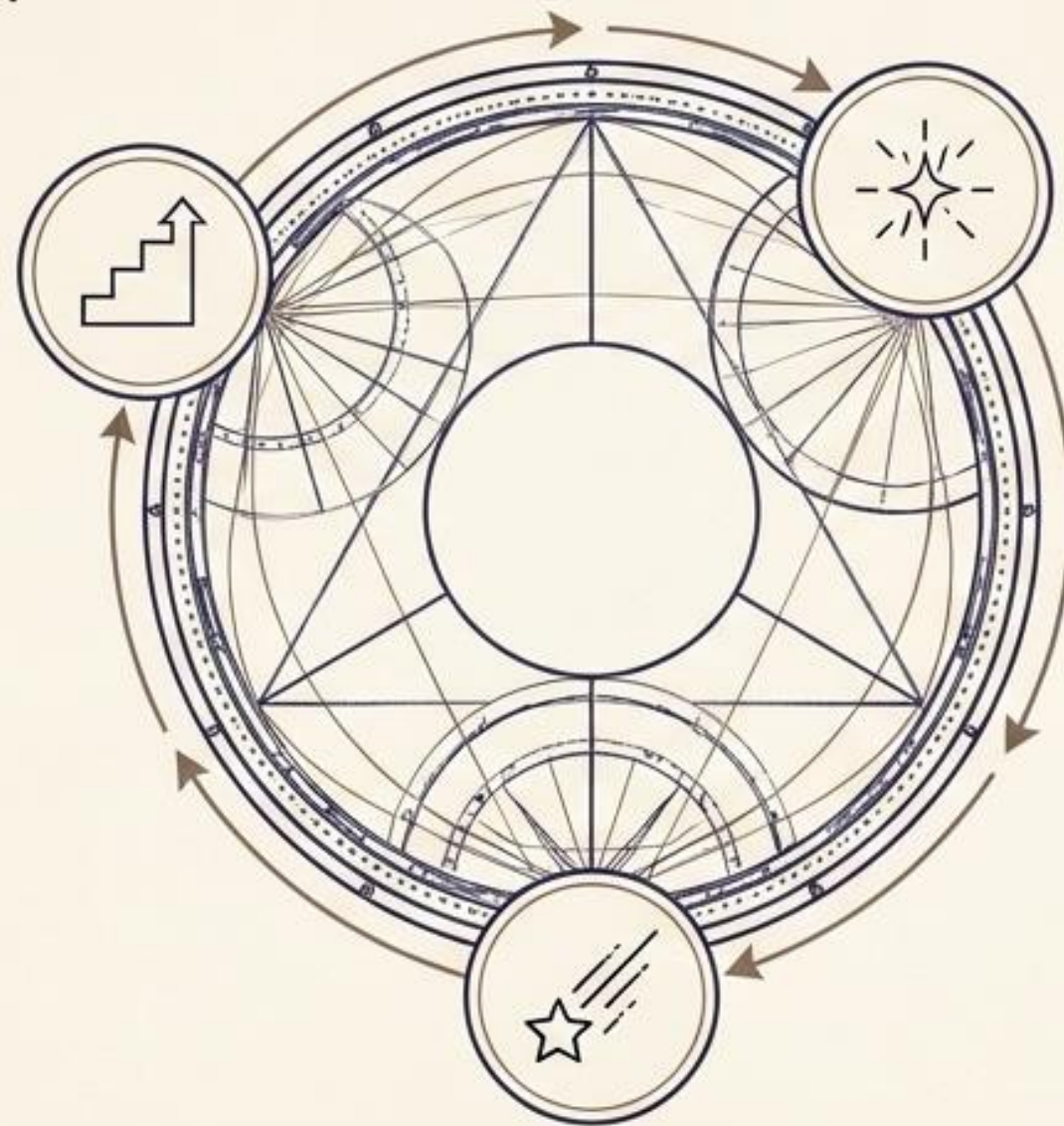
सार्वभौमिक सहमति

बाहरी पूजा पद्धतियों में अंतर के बावजूद, कुछ मूल सिद्धांत हैं जिन पर सभी प्राचीन प्रणालियां एकमत हैं।

मानवता के 14 'आदिम सत्य' (Primitive Truths) का चक्र

Phase 3: मध्यस्थता और मुक्ति (Mediation & Restoration)

- ईश्वर और मनुष्य के बीच एक मध्यस्थ की आवश्यकता।
- मृत्यु और पूर्ण उद्धार के बीच शुद्धि की मध्यवर्ती अवस्था।
- मानवीय मामलों में स्वर्गदूतों की सहायता।



Phase 2: पतन और दंड (The Fall & Probation)

Phase 1: मूल उत्पत्ति (Creation)

- एक शाश्वत रचयिता (ईश्वर) का अस्तित्व।
- ईश्वर के अधीन तीन प्रमुख आकाशीय प्राणियों का निर्माण।
- देवदूतों की रचना।

- देवदूतों के एक हिस्से का विद्रोह।
- स्वर्ग से निष्कासन और भौतिक दुनिया में दंड।
- मानव आत्मा अमर है, लेकिन पिछले जन्म के अपराधों की सजा काट रही है।
- मानव जाति का दुश्मन और भ्रामक आज भी मौजूद है।

(4)
 medals, or tokens, of medals, how-
 soever differing in manner and form, from
 each other.

a. The fundamental points of religious doctrine elucidated, we cherish in diffusing light by the title of *Pennery: a new new study* which heretofore Brodie, had regarded the human heart as far pasted of hard's sensation, and although born on original unhappy nature, fits in harmonizing them, throughly by discarding them there, you to never fear never ever will he elide, extends to entire new and edifice them, becomes he stay themselves for a genuine, or better figure, already light of these.—We also summarize the principle of these religious truths.—the language of these primitive words.—*1st* The being of a Christ, eternal creature and preponderant of all things, infinite and immortal.—*2d* The sacrifice of Jesus Christ, eternal celestial Father, who has been with the Son, or coeternal of Father and Son.—*3d* The coming of an angelic being.—*4th* A divine tree, or testimony of a garden of twelve angels.—*5th* Their petition from the heavenly capital.—*6th* The heavenly tally of the human soul.—*7th* A divine form of rewards and punishments of the human soul.—*8th* The new is born in a flare of punishment and probation, is a true

ब्रह्मांडीय पदानुक्रम और महान विद्रोह

एक शाश्वत ईश्वर (The Eternal One)

सह-निर्माता

ब्रह्मा (Birmah) - सृजनकर्ता

विष्णु (Bistnoo) - पालक

शिव (Sieb) - विनाशक / सुधारक

वफादार

आज्ञाकारी देवदूत।

विद्रोही

मोइसासूर (Moisasoor / महिषासुर)
- पहला विद्रोही देवदूत।

विद्रोह का कारण: ईर्ष्या के कारण
मोइसासूर और उसके अनुयायियों
ने ब्रह्मा के प्रति निष्ठा तोड़ दी।
इसी विद्रोह के कारण उन्हें स्वर्ग से
भौतिक ब्रह्मांड में फेंक दिया गया।

मेटेमप्सिकोसिस (पुनर्जन्म): आत्माओं की वास्तुकला और शुद्धि

स्वर्ग/पवित्रता:
देवदूतों का मूल निवास।

- होलवेल का तर्क: मनुष्य असल में वही 'गिरे हुए देवदूत' हैं।

- यह भौतिक दुनिया और 84 लाख योनियों का चक्र एक जेल नहीं, बल्कि शुद्धि का स्थान है।

- आत्माएं मानव और पशु शरीरों के माध्यम से अपने पिछले कर्मों का प्रायश्चित करती हैं।

पृथ्वी - दंड और
परीक्षण का स्थान

‘महान पतन’
(The Great Fall)

पूर्ण शुद्धि के बाद
ईश्वर के पास वापसी
(Restoration)

सत्य का संरक्षण बनाम सत्य का राजनीतिकरण

प्राचीन सभ्यताओं ने ईश्वरीय रहस्यों का प्रबंधन कैसे किया?



प्राचीन हिंदू/ब्राह्मण



मिस्र/यूनानी

सत्य की पहुंच	सत्य को सभी के लिए खुला और सुलभ रखा गया (एक हजार वर्षों तक)।	सत्य को रहस्यों और प्रतीकों के पीछे छिपा दिया गया, केवल कुछ चुनिंदा पुजारियों तक सीमित।
ईश्वर का स्वरूप	एक ईश्वर की शुद्ध पूजा।	मूर्तियों और बहुदेववाद का आविष्कार।
उद्देश्य	आत्माओं की आध्यात्मिक मुक्ति।	राजनीतिक नियंत्रण। जनता को डराकर और उलझाकर सत्ता में बने रहना।

operate more powerfully, in securing subjection to government, than any others, which the wit or wisdom of man could possibly devise. ' It will probably be urged against us, that these doctrines are seen to lose their influence in states where they are professed, and form a part of their religious code.—If man is incorrigible we cannot help it; but we should rather think, that in these cases——they are not firmly rooted.

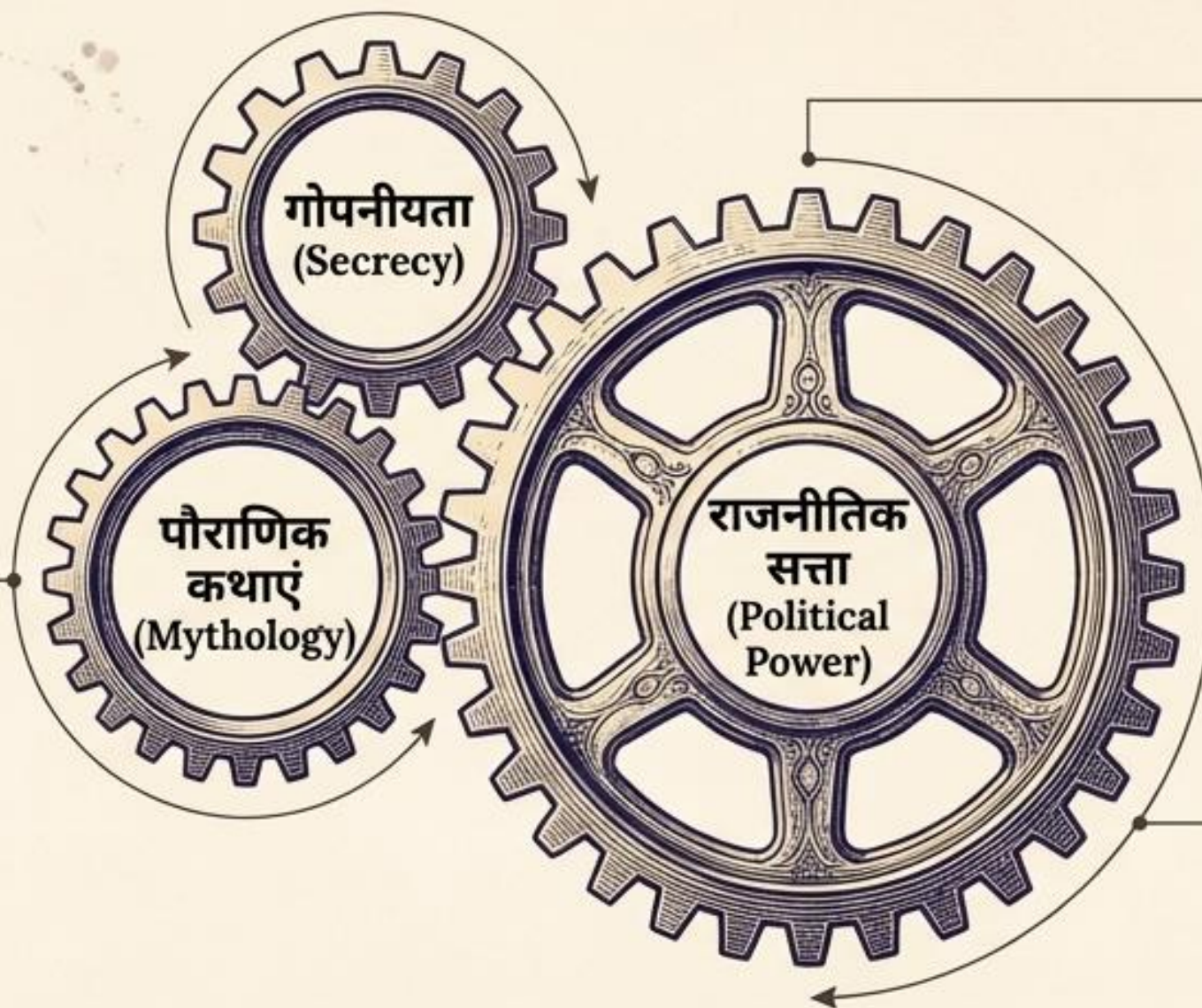
16. But suffer us, candid reader, to change the unpleasing scene, and, in contrast to Egyptian wisdom, to turn our eyes towards the great Legislator, Prince, and High-priest of the *Gentees*, who, in his scriptures, taught not only the *four great fundamentals*, of the unity of the Godhead, his providence, the immortality of the soul, and a future state of rewards and punishments, but also every other divine and *primitive truth*, necessary for man's knowledge in his present state of miserable existence; and these he taught (as elsewhere we had occasion to remark), not as *mysteries* confined to a *select few*, but as public religious tenets, known and received as such by *all*—and so forcible and efficacious was the influence of these doctrines upon the people, that they adhered strictly to them, and kept them inviolate for the space of one thousand years.

मिस्र का भ्रम: धर्म का राज्य-नियंत्रण के उपकरण के रूप में उपयोग

1

Step 1: सत्य को छुपाना

मिस्र के पुजारियों ने यह मान लिया कि आम जनता सत्य को समझने के योग्य नहीं है।



2

Step 2: बहुदेववाद का निर्माण

उन्होंने एक शाश्वत ईश्वर के विचारों को विभाजित किया और ओसिरिस तथा आइसिस जैसी देव-मूर्तियों का आविष्कार किया।

3

Step 3: राजनीतिक अधीनता

इसका वास्तविक उद्देश्य लोगों को मानसिक रूप से गुलाम बनाना था। अज्ञानता और अंधविश्वास ने शासकों को सत्ता में बनाए रखा।

मिस्रवासियों का बहुत सारा ज्ञान केवल उनकी राजनीतिक कानून-व्यवस्था में निहित था, जिसके द्वारा वे अपनी दुखी जनता को धोखा देते थे।

धर्मों का संगम: पूर्व और पश्चिम की वैचारिक समानताएं

प्राचीन हिंदू धर्म

ब्रह्मा, विष्णु और शिव

महिषासुर का विद्रोह

अवतार

कर्म और पुनर्जन्म

ईसाई धर्म

पिता, पुत्र और
पवित्र आत्मा

लूसिफ़ेर/शैतान
का पतन

मसीहा की
अवधारणा

मूल पाप (एक पूर्व
जन्म का अपराध)

होलवेल का निष्कर्ष: ये अलग-अलग धर्म नहीं हैं, बल्कि एक ही 'मूल ईश्वरीय सत्य' के विभिन्न भौगोलिक संस्करण हैं।

निष्कर्षा: धार्मिक कट्टरता का अंत और सत्य की वापसी

अज्ञानता का त्याग

होलवेल चेतावनी देते हैं कि किसी एक धर्म को ही एकमात्र सत्य मानना और दूसरों को खारिज करना ईश्वर के न्याय पर सवाल उठाना है।

सार्वभौमिक
आस्था

साझा उत्पत्ति

चाहे मोज़ेज़ का कानून हो, ईसा मसीह का सुसमाचार हो, या प्राचीन हिंदुओं का शास्त्र हो, सभी एक ही ईश्वरीय हस्ताक्षर बहन करते हैं।

मानव जाति का वास्तविक लक्ष्य धार्मिक विवादों में उलझना नहीं, बल्कि उस प्राचीन, आदिम सत्य को पहचानना है जो हर इंसान के दिल में गहराई से बसा है—कि हम सभी शुद्धि की ओर लौटती हुई आत्माएं हैं।

सत्य एक है, मार्ग अनेक हैं।